UNIVERSITY NEWS ON 21 JANUARY 2026

AMRIT VICHAR

मिशन शक्ति विषय पर छात्रों ने बनाए पोस्टर

अमृत विचार, लखनऊ : मिशन शक्ति के अंतर्गत प्राणि विज्ञान विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय ने ईआईएसीपी–पीसी–पीआर, वन्यजीव विज्ञान संस्थान, ओएनजीसी–सीएएस एवं एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) के सहयोग से नारा लेखन एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया। कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी एवं संकायाध्यक्षा प्रो. शीला मिश्रा के संरक्षण मे प्रो. अमिता कनौजिया, विभागाध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग के मार्गदर्शन मे आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. निधि द्विवेदी, मिशन शक्ति समन्वयक, प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा मिशन शक्ति चरण–2025 की संक्षिप्त परिचयात्मक प्रस्तुति से हुआ। नारा लेखन एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताएं बीएससी, एमएससी व पीएचडी के विद्यार्थियों हेतु आयोजित की गई। कुल 36 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमे से 35 विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। दोनों प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप मे सेवानिवृत्त प्रो. पद्मा सक्सेना, प्राणि विज्ञान विभाग तथा सेवानिवृत्त प्रो. मधु त्रिपाठी, पूर्व विभागाध्यक्ष ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लविवि में नियुक्त होंगे विजिलेंस अधिकारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय मे कुलपति की अध्यक्षता मे विश्वविद्यालय के समस्त संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों एवं निदेशकों की बैठक का आयोजन किया गया। निदेशक आईक्यूएसी को निर्देशित किया गया कि यूजीसी विनियम 2018 के प्रावधानों के अनुरूप वरिष्ठ आचार्य पद पर पदोन्नति हेतु चयन प्रक्रिया को सम्मिलित करते हुए एजेंडा 3 कार्य दिवसों के भीतर कुलसचिव को प्रेषित किया जाए। कुलपति द्वारा यह भी निर्देश दिया गया कि जिन विश्वविद्यालयों मे करियर एडवांसमेंट योजना के अंतर्गत शिक्षकों की वरिष्ठ आचार्य पद पर पदोन्नति की प्रक्रिया पहले ही संपन्न हो चुकी है, उनकी सूचना व प्रक्रिया का विवरण संबंधित विश्वविद्यालयों से प्राप्त कर आईक्यूएसी को उपलब्ध कराया जाए। लखनऊ विश्वविद्यालय मे अब तक विजिलेंस ऑफिसर की नियुक्ति नही की गई है। कुलपति ने कुलसचिव को निर्देशित किया कि विश्वविद्यालय मे विजिलेंस ऑफिसर की नियुक्ति हेतु तत्काल प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए। सभी संकायाध्यक्षों को निर्देशित किया कि समस्त प्रकरणों को संबंधित समितियों से अनुमोदन प्राप्त कर तीन दिवस के भीतर कुलसचिव कार्यालय को उपलब्ध कराएं।

AMAR UJALA

लविवि : वैकल्पिक विषय के रूप में विद्यार्थी पढ़ेंगे एआई पाठ्यक्रम

रविशंकर गुप्ता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब विधि विभाग के विद्यार्थियों को लॉ की पढ़ाई के साथ-साथ आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) पाठ्यक्रम वैकल्पिक विषय के रूप में पढ़ने को मिलेगा। इसकी शुरुआत सत्र से होगी। इसका उद्देश्य है कि विद्यार्थियों को कानून की पढ़ाई के साथ-साथ ऑनलाइन व एआई की सही उपयोगिता क्या है इसकी जानकारी मिल सके।

विधि विभाग में अगले सत्र से होगी शुरुआत

पढ़ाई में एआई को कैसे उपयोगी बनाया जा सकता है इसके लिए कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने विधि विभाग को सुझाव देने के लिए भी कहा है। इस बारे में शिक्षकों का भी कहना है कि लॉ की पढ़ाई के साथ वैकल्पिक पाठ्यक्रम जुड़ने से विद्यार्थियों को कानून से जुड़े अतिरिक्त विषय आसानी से कुछ ही सेकंड में मिलने में आसानी होगी। इसके अलावा लॉ के विषयों कठिन विषयों को सरल भाषा में समझा जा सकेगा। (संवाद)

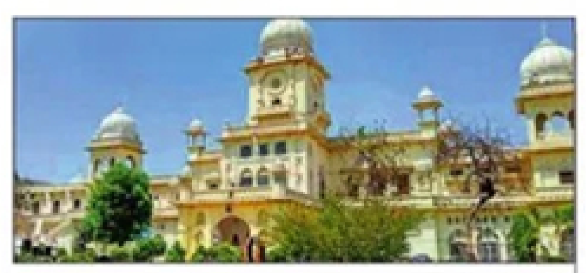

कोर्स में शामिल होंगे ये विषय : पाठ्यक्रम में एआई पॉलिसी और लॉ क्या है? एआई का इस्तेमाल कैसे और कहां तक कर सकते हैं? यह एआई के इस्तेमाल, विकास और उसके सामाजिक असर को कंट्रोल करने के लिए बनाए गए नियम, कानून और दिशानिर्देश इसमें शामिल रहेंगे। इसके अलावा भी एआई पाठ्यक्रम को तैयार करने लिए विशेषज्ञों की भी सलाह ली जाएगी।

"एआई विद्यार्थियों के बहुत काम का है। इसका जिम्मेदारी के साथ इस्तेमाल करना है तो इससे जुड़े नियम-कायदे भी समझने होंगे। एआई की पॉलिसी और लॉ समझने के बाद विद्यार्थी इसका सही उपयोग कर सकेंगे। सामाजिक असर को भी विद्यार्थी आसानी समझ सकेंगे।
– प्रो. जेपी सैनी, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

प्रमोशन के लिए शिक्षक 25 जनवरी तक समर्थ पोर्टल पर भरें ब्योरा

लखनऊ। लखनऊ विवि के शिक्षकों के प्रमोशन करियर एडवांसमेंट योजना (कैस) के तहत प्रमोशन पाने के लिए 25 जनवरी तक अपना मूल्यांकन स्वतः करके समर्थ पोर्टल पर ब्योरा अपलोड करना होगा। इसके बाद विजिलेंस ऑफिसर की ओर से अपलोड ब्योरे के आधार पर वेरिफिकेशन होगा। पात्रता पाए जाने पर ही प्रमोशन होगा। इस संबंध में कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने मंगलवार को बैठक कर सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश जारी किए।

विवि में यूजीसी विनियम 2018 के प्रावधानों के अनुरूप वरिष्ठ आचार्य पद पर पदोन्नति के लिए शिक्षकों का प्रमोशन होना बाकी है। ऐसे में इसका एजेंडा तीन दिनों के भीतर कुलसचिव को भेजने के लिए कहा गया। निर्देश दिए गए कि ऐसे सभी शिक्षकों को पत्र के माध्यम से सूचित किया जाए, जिन्होंने अब तक वरिष्ठ आचार्य पदोन्नति के लिए आवेदन नहीं किया है। विजिलेंस ऑफिसर की नियुक्ति प्रक्रिया तत्काल शुरू करने को कहा। ई-ऑफिस को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। कहा कि आगामी विद्या परिषद, वित्त समिति व कार्य परिषद में प्रस्तुत किए जाने वाले सभी प्रकरणों से जुड़ी समितिया ब्योरे दें साथ ही काम में तेजी लाएं। (संवाद)

AMAR UJALA

सांस्कृतिक धरोहरों से रोजगार को मिलता है बढ़ावा : जयवीर

सेमिनार में पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, प्रो. नचिकेता तिवारी, विश्व हिंदू परिषद के जोनल आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी (लखनऊ जोन) गजेंद्र जी, कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी और प्रो. संजीव कुमार शर्मा। -अमर उजाला

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। सांस्कृतिक स्थलों के होने से हमारी आस्था बढ़ती है और रोजगार को बढ़ावा भी मिलता है। काशी, अयोध्या और मथुरा के सांस्कृतिक पुनरुद्धार होने से आज वहां पर्यटन को बढ़ावा मिला है। योगी सरकार में इनका सरंक्षण होने से आज प्रदेश विकास की ओर अग्रसर है। ये बातें पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहीं।

मौका था मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में विश्व हिंदू अकादमिक संगठन वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ हिंदू एकेडिमिशन की ओर से आयोजित

लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में हुआ राष्ट्रीय सम्मेलन

राष्ट्रीय सम्मेलन का। इसका विषय रहा 'हिंदुत्व की शाश्वत प्रासंगिकता सांस्कृतिक चेतना और परिवर्तन का पुनरुद्धार'। एसोसिएशन के राष्ट्रीय समन्वयक प्रो. नचिकेता तिवारी ने कहा कि एक दौर में हमें गुरुकुल परंपरा में ज्ञान और संस्कार साथ-साथ दिए जाते थे। मुख्य वक्ता महात्मा गांधी केंद्रीय विवि के पूर्व कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा, लविवि के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी, डॉ. राम मनोहर लोहिया मेडिकल संस्थान के सीएमएस डॉ. विक्रम सिंह, वक्ता डॉ. निखिल वालिंबे ने विचार रखे।

DAINIK JAGRAN

'सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण से मजबूत हुई अर्थव्यवस्था'

जासं • लखनऊ: प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने काशी, अयोध्या और मथुरा के सांस्कृतिक पुनरुद्धार का उदाहरण देते हुए कहा कि सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण से न केवल आस्था, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार को भी बल मिला है। वह बतौर मुख्य अतिथि मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद के आयाम विश्व हिंदू अकादमिक संगठन (वाहा) की ओर से लवि के मालवीय सभागार में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे।

वाहा के राष्ट्रीय समन्वयक प्रो. नचिकेता तिवारी ने संगठन की भूमिका के बारे में बताया। मुख्य वक्ता महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि भारतीय जीवन-दृष्टि सत्य, अहिंसा, करुणा और कर्तव्यबोध जैसे मूल्यों पर आधारित है। लवि के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने एनईपी में भारतीय भाषाओं और ज्ञान परंपरा को शामिल किए जाने को हिन्दुत्व की समावेशी भावना का उदाहरण बताया। विशिष्ट अतिथि डा. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के सीएमएस प्रो. (डा.) विक्रम सिंह, पद्मश्री रमेश पतंगे, विहिप के जोनल आर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी गजेंद्र, प्रो. नचिकेता तिवारी ने विचार रखे।

AMRIT VICHAR

शिक्षा में भारतीय भाषा और ज्ञान परंपरा हिंदुत्व की समावेशी भावना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लविवि में हुई सनातन धर्म पर परिचर्चा
- कार्यक्रम में पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारी
- समरसता पर बोले आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी पतंगे

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में विश्व हिंदू परिषद के विश्व हिंदू एकेडमिक संगठन की तरफ से राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन हुआ। इस दौरान "हिंदुत्व की शाश्वत प्रासंगिकता" विषय पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में कई विश्वविद्यालयों के कुलपति और बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय शिक्षक उपस्थित रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने नई शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं और ज्ञान परंपरा को शामिल किए जाने को हिंदुत्व की समावेशी भावना का आधुनिक उदाहरण बताया।

नवी मुंबई से आए रमेश पतंगे ने कहा कि समरसता पर वह बीते 40 साल यानी 1985 से काम कर रहे हैं। उन्हें 45 मिनट बोलने का समय मिला। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज में कुछ समस्याएं हैं, लेकिन उसका तत्वज्ञान सबसे अहम है। बाबा साहब आंबेडकर ने भी इस पर लिखा। जाति प्रथा और सामाजिक समरसता को विमर्श से हल करना जरूरी है। अमेरिका में 1867 में समरसता लाने के लिए संघर्ष हुआ, जिसमें 45 हजार लोगों की जान गई। भगवत गीता में चार बार कहा गया है कि जो ज्ञानी है, वह सभी को समता के साथ देखता है।

सेमिनार का दीप जलाकर शुभारम्भ करते पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह। — अमृत विचार

लोहिया संस्थान के सीएमएस डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि आदि शंकराचार्य जब काशी पहुंचे, तो गंगा स्नान जाने के रास्ते मे उन्हें चांडाल मिला, जो रास्ते में अड़ा रहा। इसके जरिए उन्हें अद्वैत दर्शन का अनुभव हुआ। डॉ. सिंह ने कहा कि हमारे धर्म में कभी भी भेदभाव नहीं बताया गया।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के पूर्व कुलपति संजीव शर्मा ने कहा कि भारतीय जीवन-दृष्टि सत्य, अहिंसा, करुणा और कर्तव्यबोध जैसे मूल्यों पर आधारित है। डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा कि दिव्यांग पुनर्वास को हिंदुत्व की करुणा और मानवीय गरिमा की परंपरा से जोड़ा गया है।

यूपी से हो रहा सांस्कृतिक पुनरुद्धारः पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने काशी, अयोध्या और मथुरा के सांस्कृतिक पुनरुद्धार का उदाहरण देते हुए कहा कि सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण से न केवल आस्था, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार को भी बल मिला है।

AMRIT VICHAR

लविवि ने परीक्षा परिणाम किए घोषित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय व उससे संबद्ध महाविद्यालयों के दिसंबर 2025 मे आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का परिणाम घोषित कर दिया गया है। घोषित परिणामो मे बीटेक सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर साइंस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग के पांचवे सेमेस्टर शामिल हैं। इसके साथ ही नई शिक्षा नीति के अंतर्गत संचालित बीटेक पाठ्यक्रमों के भी परिणाम जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त एमए ड्राइंग एंड पेंटिंग पाठ्यक्रम का परीक्षाफल भी घोषित कर दिया गया है। सभी पाठ्यक्रमों का विस्तृत परीक्षाफल लखनऊ विश्वविद्यालय lkouniv.ac.in पर उपलब्ध है। छात्र-छात्राएं वेबसाइट पर जाकर अपना परिणाम देख सकते हैं।

NBT

अभिनव गुप्त फैकल्टी मे शुरू होगे पाठ्यक्रम, वीसी की ओर से फैकल्टी को निर्देश तैयार करेगे पाठ्यक्रम

एलयू में शुरू होगी सौंदर्यशास्त्र की पढ़ाई

Zeeshan.Rayini@timesofindia.com

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में अब सौंदर्यशास्त्र व शैव दर्शन में भी पढ़ाई शुरू होगी। इसके लिए वीसी प्रो. जेपी सैनी की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं। विवि में फैकल्टी ऑफ अभिनवगुप्त इंस्टिटयूट ऑफ एस्थेटिक्स ऐंड शैव फिलॉसफी के तहत इसे शुरू किया जाएगा। विभाग की ओर से इसका मसौदा तैयार किया जा रहा है जिसमें कोर्स के सिलेबस से लेकर किन किन छात्रों के लिए इसे शुरू किया जा रहा है इस पर काम चल रहा है। आगामी सत्र से विवि में इसे शुरू करने की तैयारी है। इससे छात्रों को एक नए विषय की पढ़ाई का विकल्प विवि में मिल सकेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में अभिनव गुप्त विवि की एक मात्र फैकल्टी है जिसमें कोई भी पाठ्यक्रम संचालित नहीं किया जाता है। अभिनव गुप्त शोध संस्थान 1968 में विवि में शुरू किया गया था। इसमें लंबे समय तक सिर्फ शोधकार्य होता था। इसके बाद यह संस्थान काफी साल तक बंद रहा रहा। इसके बाद इस संस्थान में पूर्व वीसी प्रो. आलोक राय के समय में काम शुरू किया गया है और 2021 में विवि की एक नई फैकल्टी के रूप में इसे स्थापित किया गया जिसे फैकल्टी ऑफ अभिनवगुप्त इंस्टिटयूट ऑफ एस्थेटिक्स ऐंड शैव फिलॉसफी का नाम दिया गया। शासन की ग्रांट पर इसकी एक अलग बिल्डिंग भी बनाई गई है लेकिन पढ़ाई लिखाई इसमें अब तक शुरू नहीं हो सकी। सिर्फ डीन का चार्ज ही बदलता रहा। नए वीसी प्रो. सैनी से फैकल्टी में छात्रों को लाने का लक्ष्य दिया है ताकि इसकी उपयोगिता साबित हो सके। इसके बाद विभाग की ओर से अब सौंदर्यशास्त्र, शैव फिलॉसफी व कला के कई पक्षों को समाहित कर कोर्स शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

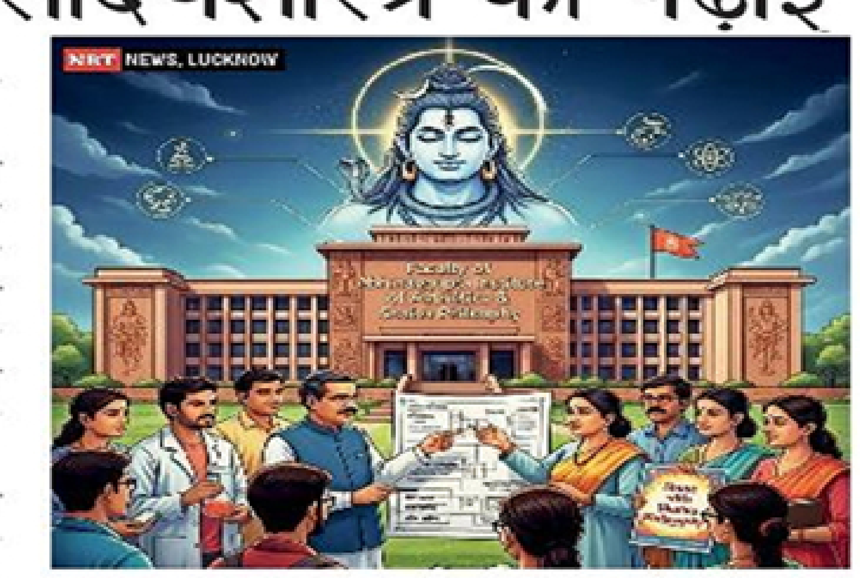

NBT Lens — खबरों के अंदर की बात

छात्रों से जोड़ने की चुनौती

कुछ साल पहले अभिनव गुप्त संस्थान मे डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किए गए थे। पीजी डिप्लोमा इन तंत्रगाम व पीजी डिप्लोमा इन सौदर्यशास्त्र व संस्कृत थियेटर। लेकिन उस समय यह संस्कृत विभाग के तहत संचालित होता था ऐसे मे पाठ्यक्रम भी संस्कृत आधारित थे जिसमे छात्रो ने रुची नही ली। ऐसे मे आवेदन तो जारी किए गए लेकिन छात्रो ने दाखिला ही नही लिया और यह कभी शुरू ही नही हो सके। अब दोबारा से सामान्य छात्रो को जोडते हुए इस पर पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी हो रही है जो विभाग के लिए चुनौती है।

TIMES OF INDIA

'Use of AI in law' to be optional subject in LU

Times News Network

Lucknow: Lucknow University has directed faculty of law to introduce "the use of Artificial Intelligence in law" as an optional subject.

The directive has been issued by vice-chancellor Prof JP Saini to equip law students with contemporary skills required in an increasingly technology driven legal ecosystem.

The VC has also instructed the law faculty to strengthen practical learning. As part of this initiative, students will be provided regular opportunities to interact with senior judges and experienced advocates, helping them bridge the gap between theoretical knowledge and real world legal practice.

The introduction of AI as an optional subject is expected to familiarize students with emerging technologies that are rapidly transforming the legal profession. AI tools are now widely used in areas such as legal research, case law analysis, contract review, due diligence, and prediction of legal outcomes. By understanding these tools, law students will be better prepared for future roles in litigation, corporate law, policy making, and legal technology startups.

Faculty members believe that exposure to AI will enhance analytical skills and enable students to adapt to global trends in legal education. It will also open new career avenues for students interested in legal innovation, cyber law, data protection, and technology law.

"LU's aim is to ensure that students remain future-ready," said Varun Chhachhar, professor, law faculty.

HINDUSTAN

एलयू में बीटेक की 12 विधाओं का रिजल्ट जारी

एलयू में शैक्षिक सत्र 2025-26 विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत बीटेक की 12 विधाओं और एमए ड्राइंग एंड पेंटिंग तृतीय सेमेस्टर का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि बीटेक सिविल, सीएस, सीएस-एआई, ईई, ईसीई, एमई, सिविल इंजीनियरिंग एनईपी आदि का परिणाम घोषित किया गया है।

25 तक अपलोड करें मूल्यांकन पत्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में वरिष्ठ आचार्य पद पर प्रमोशन के लिए चयन प्रक्रिया को जल्द से जल्द शुरू करने के लिए कुलपति ने कवायद शुरू कर दी है। उन्होंने आईक्यूएसी निदेशक को निर्देश दिया है कि यूजीसी विनियम 2018 के प्रावधानों के अनुरूप वरिष्ठ आचार्य पद पर पदोन्नति के लिए चयन प्रक्रिया को शामिल करते हुए एजेंडा तीन कार्य दिवसों के भीतर कुलसचिव को भेजे। निर्देश दिया कि 25 जनवरी तक स्व-मूल्यांकन पत्र समर्थ पोर्टल से प्रस्तुत करें।

पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग में मिशन शक्ति चरण–2025 के तहत नारा लेखन और पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसका शुभारंभ मिशन शक्ति समन्वयक डॉ. निधि द्विवेदी ने किया। उन्होंने बताया कि महिला उद्यमी बाधाओं को तोड़ते हुए उद्यम निर्माण विषय आयोजित नारा लेखन व पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताओं के लिए 36 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें 35 विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।